अलीक

अंक: तीन
आषाढ़ ।। जून ।। 2023

मुझे जन्म दो
मैं कुछ नहीं जानता

हर जगह होने की कामना हूँ मैं
असह्य पीड़ा हूँ, विचार हूँ
विकल चाहना कोख की

शून्य तोड़कर आऊँगा देह में
मुझे चाहिए पृथ्वी की मिट्टी

छोटी खुशियों का खबरनवीस हूँ मैं ।

राजेश सकलानी

Edited and published by Neel Kamal from 244, Bansdroni Place, Kolkata-700070 and printed at Jayasree Press, Kolkata- 700009.

लीक लीक गाड़ी चले लीकहिं चले कपूत

लीक छोड़ तीनों चलें शायर सिंह सपूत

अलीक

अंक: तीन

आषाढ़ ।। जून ।। 2023

सम्पादक

नील कमल

आवरण चित्र: जयचण्डी पहाड़, पुरुलिया

अलीक पत्रिका के लिए नील कमल द्वारा 244, बाँसद्रोणी प्लेस, कोलकाता- 700070 से प्रकाशित

दूरभाषर: 9433123379/ 8013046813

ई-मेलर: nneelkkamal@gmail.com

इस अंक में

कविता

मनोज छाबड़ा की पाँच कविताएँ

एब्सट्रेक्ट पेंटिंग

जीवन घटा क्या?

लाइटहाउस

चुप्पी की भाषा

बना रहे विश्वास

ज्योति रीता की चार कविताएँ

लिखना पहला प्रेम साबित हुआ

उन्हें मनुष्य नहीं धर्मांध चाहिए

अफवाह के इस दौर में

प्रेम में भाषा

आलोचना

समय का गुरिल्ला कवि : ध्रुवदेव मिश्र 'पाषाण'

प्रकृत कविके होतेई होबे अपांक्तेय

कवि सम्मेलने तार कविता अतीतकालेर विधवा भाग्य

अपदार्थेर खेउड़ बोले खेदानो कविके

खूँटोमेरे तोबू बोसे थाकते होबे अनड़

कार्तिक देवनाथ (बांग्ला कवि)

कविता